माता उन्मुखीकरण बैठक – फरवरी 2025

बैठक की शुरुआत प्रधानाध्यापक महोदय द्वारा सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया गया और बच्चों के विकास में माताओं की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके बाद, प्रधानाध्यापक महोदय ने बैठक के विषय – कलात्मक गतिविधियाँ (कला, गीत, नृत्य) और सांस्कृतिक विकास के बारे में संक्षेप में सभी को अवगत कराया।

बैठक का एजेंडा:

बैठक का एजेंडा सभी को पढ़कर सुनाया गया, जिसमें सबसे पहले जनवरी माह में की गई गतिविधियों पर चर्चा की गई। इसके बाद फरवरी माह के प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जैसे कि बच्चों के विकास में कला, संगीत, नृत्य जैसी कलात्मक गतिविधियों की भूमिका, उनकी विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ और उनके लाभ, और अभिभावकों द्वारा घर पर बच्चों के साथ आयोजित की जाने वाली कलात्मक गतिविधियाँ।

बैठक में यह बताया गया कि 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के विकास में कलात्मक गतिविधियाँ अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं और माताओं को बच्चों को इस दिशा में प्रेरित करना चाहिए।

बैठक में, सर्वप्रथम, माताओं से जनवरी माह के बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस चर्चा में माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बताया कि उन्होंने बच्चों को संतुलित आहार देने, स्वच्छता पर ध्यान देने और बच्चों को कहानियाँ सुनाने की आदत डाली है। कई माताओं ने यह भी बताया कि घर का वातावरण सकारात्मक बनाने से बच्चों की शैक्षिक प्रगति में सुधार हुआ है।

basicedunup

इसके बाद, कलात्मक गतिविधियों के महत्व पर बात की गई। बताया गया कि कला, गीत और नृत्य के माध्यम से बच्चे अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं, जिससे उनके आत्मविश्वास, अनुशासन, प्रेरणा और सामाजिक मूल्यों का विकास होता है। इसके अलावा, इन गतिविधियों से बच्चों की कल्पना शक्ति भी बढ़ती है और उनका सांस्कृतिक विकास होता है।
बैठक में, कलात्मक गतिविधियों के प्रकार और उनके लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा की गई और माताओं से अनुरोध किया गया कि वे बच्चों को इन गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। घर पर बच्चों के साथ चित्र बनवाना, मिट्टी से खिलौने बनाना, और रंग भरना जैसी गतिविधियाँ करने के लाभों पर चर्चा की गई।
बैठक में अभिभावकों और बच्चों के साथ मिलकर कुछ गतिविधियाँ कराई गई, जैसे कहानी सुनाना, कहानी को आगे बढ़ाना, और बच्चों के साथ मिट्टी के खिलौने बनवाना। इन गतिविधियों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और उन्हें सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन मिलता है।
अंत में माताओं से सवाल-जवाब सत्र हुआ, जिसमें उनकी शंकाओं का समाधान किया गया। बैठक के समापन के समय, सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए बैठक समाप्त की गई। बैठक के समापन पर सभी को जलपान कराया गया।

बैठक में भाग लेने के लिए अभिभावकों से अनुरोध किया गया कि वे आगे भी ऐसी बैठकों में भाग लें और बच्चों के विकास में सक्रिय योगदान दें।

basiceduhub